पो. रजि. नं. जयपुर सिटी/011/2024-2026, आरएनआई रजि नं. 48910/91 fb/seemasandesh1951 seemasandesh1951@gmail.com 0141-2700113 ■ जयपुर-श्रीगंगानगर (राज.) से एक साथ प्रकाशित ■ जोधपुर, कोटा, नागौर से प्रसारित

"विश्वास वह पक्षी है जो प्रभात के पूर्व अंधकार में ही प्रकाश का अनुभव करता है और गाने लगता है।"
-रवींद्रनाथ ठाकुर

1951 में स्थापित

सीमा सन्देश

संस्थापक स्व. श्री कमल नयन शर्मा

ताकत किसान की, जवान की

■ वर्ष : 35 ■ अंक : 187 ■ मूल्य : रु. 2.00 ■ पृष्ठ : 08 जयपुर, बुधवार 07 जनवरी 2026 ऑनलाइन पढ़ें : epaper.seemasandesh.in

सवाईमाधोपुर में चौथ माता... 8

सीएसआईआर-सीरी की चार प्रौद्योगिकियाँ और एक उत्पाद उद्योगों को हस्तांतरित

◆ डीएसआईआर स्थापना दिवस पर सीरी की 'लैब-टू-मार्केट' पहल को मिली नई गति

सीमा सन्देश संवाददाता

पिलानी। डीएसआईआर स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली मेंआयोजित कार्यक्रम में सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधानसंस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी द्वारा विकसित चार स्वदेशीप्रौद्योगिकियों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं एक उत्पाद लोकार्पण का कार्यक्रमआयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथापृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह; भारतसरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय सूद, सीएसआईआर की महानिदेशक एवं डीएसआईआर सचिव डॉ. एन. कलैसेल्वी तथा सीएसआईआरझसीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया कीगरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसके अलावा इस अवसर पर सहित डीएसआईआर, सीएसआईआर परिवार सहित अन्यप्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर एआई-सक्षम पुनः उपयोग योग्य वाइटल्स मॉनिटरिंग पैच, जो निरंतर एवं दूरस्थ स्वास्थ्यदेखभाल को सक्षम बनाते हैं; एन्डो ट्राई फ्लो उन्नत फ्लूड मैनेजमेंट सिस्टम, जो न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी मेंसुरक्षा और सटीकता को बढ़ाता है; दूध कीगुणवत्ता के त्वरित एवं विश्वसनीय परीक्षण हेतु एमबीआरटी एनालाइजर; तथा पीएक्स4 आधारित ड्रोन फ्लाइट कंट्रोलर, जो वाणिज्यिक एवं अनुसंधानअनुप्रयोगों में मेक-इन-इंडिया यूएवी क्षमताओं को सुदृढ़ करता है, शामिल रहे। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के अनुरूप विकसित एक आईओटी-सक्षम, फील्ड-डिप्लॉयबल डिजिटल जलगुणवत्ता परीक्षण किट– 'जल प्रयोगशाला–का भी लोकार्पण किया गया, जो वास्तविक समय में जल गुणवत्तानिगरानी और इस संबंध में बेहतर परिणाम देने में सहायक होगी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेन्द्रसिंह ने डॉ पंचारिया और टीम सीरी की प्रशंसा करते हुए प्रौद्योगिकी को उद्योगों केमाध्यम से बाजार तक पहुँचाने की 'लैब टु मार्केट' अवधारणा की प्रशंसा की।